Goraksh Chalisa Lyrics with meaning in English and Hindi

Goraksh Chalisa Lyrics in Hindi

दोहा-
गणपति गिरिजा पुत्र को, सिमरूँ बारम्बार ।
हाथ जोड़ विनती करूँ, शारद नाम अधार ।।

चौपाई-
जय जय जय गोरख अविनाशी, कृपा करो गुरुदेव प्रकाशी ।
जय जय जय गोरख गुणज्ञानी, इच्छा रूप योगी वरदानी ।।
अलख निरंजन तुम्हरो नामा, सदा करो भक्तन हित कामा ।
नाम तुम्हारा जो कोई गावे, जन्म जन्म के दुःख नशावे ।
जो कोई गोरक्ष नाम सुनावे, भूत पिशाच निकट नहीं आवे ।
ज्ञान तुम्हारा योग से पावे, रूप तुम्हार लख्या ना जावे ।
निराकार तुम हो निर्वाणी, महिमा तुम्हरी वेद बखानी ।
घट घट के तुम अन्तर्यामी, सिद्ध चौरासी करें प्रणामी ।
भस्म अङ्ग गले नाद विराजे, जटा सीस अति सुन्दर साजे ।

तुम बिन देव और नहीं दूजा, देव मुनी जन करते पूजा ।
चिदानन्द सन्तन हितकारी, मङ्गल करे अमङ्गल हारी ।
पूरण ब्रह्म सकल घट वासी, गोरक्षनाथ सकल प्रकासी ।
गोरक्ष गोरक्ष जो कोई ध्यावे, ब्रह्म रूप के दर्शन पावे ।
शङ्कर रूप धर डमरू बाजे, कानन कुण्डल सुन्दर साजे ।
नित्यानन्द है नाम तुम्हारा, असुर मार भक्तन रखवारा ।
अति विशाल है रूप तुम्हारा, सुर नर मुनि जन पावं न पारा ।
दीन बन्धु दीनन हितकारी, हरो पाप हम शरण तुम्हारी ।
योग युक्ति में हो प्रकाशा, सदा करो सन्तन तन वासा ।

प्रातःकाल ले नाम तुम्हारा, सिद्धि बढ़े अरु योग प्रचारा ।
हठ हठ हठ गोरक्ष हठीले, मार मार वैरी के कीले ।
चल चल चल गोरक्ष विकराला, दुश्मन मान करो बेहाला ।
जय जय जय गोरक्ष अविनासी, अपने जन की हरो चौरासी ।
अचल अगम हैं गोरक्ष योगी, सिद्धि देवो हरो रस भोगी ।
काटो मार्ग यम की तुम आई, तुम बिन मेरा कौन सहाई ।
अजर अमर है तुम्हरो देहा, सनकादिक सब जोहहिं नेहा ।
कोटि न रवि सम तेज तुम्हारा, है प्रसिद्ध जगत उजियारा ।
योगी लखें तुम्हारी माया, पार ब्रह्म से ध्यान लगाया ।

ध्यान तुम्हारा जो कोई लावे, अष्ट सिद्धि नव निधि घर पावे ।
शिव गोरक्ष है नाम तुम्हारा, पापी दुष्ट अधम को तारा ।
अगम अगोचर निर्भय नाथा, सदा रहो सन्तन के साथा ।
शङ्कर रूप अवतार तुम्हारा, गोपीचन्द भर्तृहरि को तारा ।
सुन लीजो गुरु अरज हमारी, कृपा सिन्धु योगी ब्रह्मचारी ।
पूर्ण आस दास की कीजे, सेवक जान ज्ञान को दीजे ।
पतित पावन अधम अधारा, तिनके हेतु तुम लेत अवतारा ।

अलख निरंजन नाम तुम्हारा, अगम पंथ जिन योग प्रचारा ।
जय जय जय गोरक्ष भगवाना, सदा करो भक्तन कल्याना ।

जय जय जय गोरक्ष अविनाशी, सेवा करें सिद्ध चौरासी ।
जो पढ़ही गोरक्ष चालीसा, होय सिद्ध साक्षी जगदीशा ।
बारह पाठ पढ़े नित्य जोई, मनोकामना पूरण होई ।
और श्रद्धा से रोट चढ़ावे, हाथ जोड़कर ध्यान लगावे ।

दोहा –
सुने सुनावे प्रेमवश, पूजे अपने हाथ
मन इच्छा सब कामना, पूरे गोरक्षनाथ ।

अगम अगोचर नाथ तुम, पारब्रह्म अवतार ।
कानन कुण्डल सिर जटा, अंग विभूति अपार ।

सिद्ध पुरुष योगेश्वरों, दो मुझको उपदेश ।
हर समय सेवा करूँ, सुबह शाम आदेश ।

Goraksh Chalisa Meaning in Hindi

दोहा :

गणपति गिरिजा पुत्र को, सिमरूँ बारम्बार।

- मैं गणपति (गणेश जी) और गिरिजा (पार्वती जी) के पुत्र (कार्तिकेय) का बार-बार स्मरण करता हूँ।

हाथ जोड़ विनती करूँ, शारद नाम अधार।

- मैं हाथ जोड़कर माँ सरस्वती (शारदा) से प्रार्थना करता हूँ, जिनका नाम मेरा सहारा है।

चौपाई :

जय जय जय गोरख अविनाशी, कृपा करो गुरुदेव प्रकाशी।

- हे अविनाशी (अमर) गोरखनाथ जी, आपकी जय हो। कृपा करके हमें ज्ञान का प्रकाश प्रदान करें।

जय जय जय गोरख गुणज्ञानी, इच्छा रूप योगी वरदानी।

- आपकी जय हो, हे गुणों के ज्ञाता योगी! आप इच्छाओं को पूर्ण करने वाले वरदान देने वाले हैं।

अलख निरंजन तुम्हरो नामा, सदा करो भक्तन हित कामा।

- आपका नाम 'अलख निरंजन' है। आप हमेशा अपने भक्तों के कल्याण के कार्य करते हैं।

नाम तुम्हारा जो कोई गावे, जन्म जन्म के दु:ख नशावे।

- जो भी आपका नाम गाता है, उसके जन्म-जन्मांतर के दुख समाप्त हो जाते हैं।

जो कोई गोरक्ष नाम सुनावे, भूत पिशाच निकट नहीं आवे।

- जो भी गोरक्षनाथ का नाम सुनाता है, उसके पास भूत-प्रेत और नकारात्मक शक्तियां नहीं आतीं।

ज्ञान तुम्हारा योग से पावे, रूप तुम्हार लख्या ना जावे।

- आपके दिव्य ज्ञान को योग के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन आपके वास्तविक स्वरूप को देखा नहीं जा सकता।

निराकार तुम हो निर्वाणी, महिमा तुम्हरी वेद बखानी।

- आप निराकार हैं और आप निर्वाणी (मुक्ति देने वाले) हैं। आपकी महिमा का वर्णन स्वयं वेदों में हुआ है।

घट घट के तुम अन्तर्यामी, सिद्ध चौरासी करें प्रणामी।

- आप प्रत्येक हृदय में बसे हुए अंतर्यामी हैं। 84 सिद्ध पुरुष आपको प्रणाम करते हैं।

तुम बिन देव और नहीं दूजा, देव मुनी जन करते पूजा।

- आपके समान दूसरा कोई देवता नहीं है। देवता और मुनि आपकी पूजा करते हैं।

चिदानन्द सन्तन हितकारी, मङ्गल करे अमङ्गल हारी।

- आप चिदानंद (परमानंद) स्वरूप हैं और संतों के लिए कल्याणकारी हैं। आप अमंगल को हरकर मंगल करते हैं।

पूरण ब्रह्म सकल घट वासी, गोरक्षनाथ सकल प्रकासी।

- आप पूर्ण ब्रह्म हैं और समस्त सृष्टि में व्याप्त हैं। गोरक्षनाथ जी, आप सभी जगह प्रकाशमान हैं।

गोरक्ष गोरक्ष जो कोई ध्यावे, ब्रह्म रूप के दर्शन पावे।

- जो कोई गोरक्षनाथ का ध्यान करता है, वह ब्रह्म स्वरूप के दर्शन करता है।

शंकर रूप धर डमरू बाजे, कानन कुण्डल सुन्दर साजे।

- आपने शंकर (शिव) का रूप धारण किया है। आपके कानों में कुंडल और सिर पर डमरू है।

नित्यानन्द है नाम तुम्हारा, असुर मार भक्तन रखवारा।

- आपका नाम 'नित्यानंद' है। आप असुरों को मारकर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

अति विशाल है रूप तुम्हारा, सुर नर मुनि जन पावं न पारा।

- आपका रूप अत्यंत विशाल है, जिसे देवता, मनुष्य और मुनि भी नहीं समझ पाते।

दीन बन्धु दीनन हितकारी, हरो पाप हम शरण तुम्हारी।

- आप दीनों के बंधु और उनके लिए हितकारी हैं। हमारे पापों को हर लें, हम आपकी शरण में हैं।

दोहा :

सुने सुनावे प्रेमवश, पूजे अपने हाथ।

- जो भी श्रद्धा और प्रेमपूर्वक आपका नाम सुनता और सुनाता है, उसकी पूजा सार्थक हो जाती है।

मन इच्छा सब कामना, पूरे गोरक्षनाथ।

- हे गोरक्षनाथ, आपकी कृपा से भक्तों की सभी इच्छाएं और कामनाएं पूरी हो जाती हैं।

अगम अगोचर नाथ तुम, पारब्रह्म अवतार।

- आप अगम (जिसे समझा नहीं जा सकता) और अगोचर (जिसे देखा नहीं जा सकता) हैं। आप पारब्रह्म के अवतार हैं।

कानन कुण्डल सिर जटा, अंग विभूति अपार।

- आपके कानों में कुंडल, सिर पर जटाएं और अंगों पर भस्म (विभूति) है।

भावार्थः

यह स्तुति गोरक्षनाथ जी की महिमा का गुणगान करती है। इसमें उनकी अलौकिक शक्तियों, योग सिद्धियों और भक्तों पर कृपा का वर्णन है। यह बताता है कि उनके नाम का स्मरण करने से जीवन में सुख-शांति, सिद्धि, और कल्याण प्राप्त होता है।

Goraksh Chalisa Lyrics in English

Doha

Ganpati Girija putra ko, simroon barambar.
Haath jod vinati karoon, Sharad naam adhaar.

Chaupai

Jai Jai Jai Gorakh Avinaashi, Kripa karo Gurudev Prakaashi.
Jai Jai Jai Gorakh Gungyaani, Iccha roop Yogi Vardaanee.
Alakh Niranjan tumharo naama, sada karo bhaktan hit kaama.
Naam tumhara jo koi gaave, janam janam ke dukh nashaave.
Jo koi Goraksh naam sunaave, bhoot-pishaach nikat nahi aave.
Gyaan tumhara yog se paave, roop tumhara lakhya na jaave.
Nirakaar tum ho nirvani, mahima tumhari ved bakhaani.
Ghat ghat ke tum antaryaami, siddh chaurasi karein pranaami.
Bhasm ang gale naad viraaje, jata sees ati sundar saaje.

Tum bin dev aur nahi dooja, dev muni jan karte pooja.
Chidanand santan hitkaari, mangal kare amangal haari.
Poorn Brahm sakal ghat vaasi, Gorakshnath sakal prakaashi.
Gorakh Gorakh jo koi dhyaave, Brahm roop ke darshan paave.
Shankar roop dhar damru baaje, kaanan kundal sundar saaje.
Nityanand hai naam tumhara, asur maar bhaktan rakhwaara.
Ati vishal hai roop tumhara, sur nar muni jan paav na paara.
Deen bandhu deenan hitkaari, haro paap hum sharan tumhaari.

Yog yukti mein ho prakaasha, sada karo santan tan vaasa.

Pratahkaal le naam tumhara, siddhi badhe aru yog prachaara.
Hath hath hath Gorakh hatheele, maar maar vairi ke keele.
Chal chal chal Gorakh vikraala, dushman maan karo behaala.
Jai Jai Jai Gorakh Avinaashi, apne jan ki haro chaurasi.
Aachal agam hain Gorakh Yogi, siddhi devo haro ras bhogi.
Kaato maarg Yam ki tum aai, tum bin mera kaun sahaai.
Ajar amar hai tumharo deha, sanakadik sab johahin neha.
Koti na ravi sam tej tumhara, hai prasiddh jagat ujiyara.
Yogi lakhein tumhari maaya, paar Brahm se dhyaan lagaaya.

Dhyaan tumhara jo koi laave, asht siddhi nav nidhi ghar paave.
Shiv Gorakh hai naam tumhara, paapi dusht adham ko taara.
Agam agochar nirbhay naatha, sada raho santan ke saatha.
Shankar roop avataar tumhara, Gopichand Bhartrihari ko taara.
Sun leejo guru arj hamaari, kripa sindhu yogi brahmachaari.
Poorn aas daas ki keeje, sevak jaan gyaan ko deeje.
Patit paavan adham adhaara, tinke het tum let avataara.
Alakh Niranjan naam tumhara, agam panth jin yog prachaara.
Jai Jai Jai Gorakh bhagwana, sada karo bhaktan kalyaana.

Jai Jai Jai Gorakh Avinaashi, seva karein siddh chaurasi.
Jo padhe Gorakh chaaleesa, hoye siddh saakshi Jagadeesha.
Barah paath padhe nitya joi, manokamna poorn hoi.
Aur shraddha se rot chadhaave, haath jodkar dhyaan lagaave.

Doha

Sune sunaave premvash, pooje apne haath.
Man iccha sab kaamna, poore Gorakhnath.

Agam agochar Naath tum, Parbrahm avtaar.
Kaanan kundal sir jata, ang vibhuti apaar.

Siddh purush yogeshwaron, do mujhko updesh.
Har samay seva karoon, subah shaam aadesh.

Goraksh Chalisa Meaning in English

Doha:

Ganpati Girija putra ko, simroon barambar.

- I meditate on Lord Ganesh and Kartikeya, the sons of Goddess Parvati, repeatedly.

Haath jod vinati karoon, Sharad naam adhaar.

- I join my hands and pray to Goddess Saraswati (Sharada), whose name is my foundation.

Chaupai:

Jai Jai Jai Gorakh Avinaashi, Kripa karo Gurudev Prakashi.

- Victory to the eternal Gorakhnath! O Guru, bless us with the light of knowledge.

Jai Jai Jai Gorakh Gungyaani, Iccha roop Yogi Vardaani.

- Victory to you, the wise and virtuous Yogi who fulfills the desires of devotees.

Alakh Niranjan tumharo naama, sada karo bhaktan hit kaama.

- Your name is ‘Alakh Niranjan,’ and you always work for the welfare of your devotees.

Naam tumhara jo koi gaave, janam janam ke dukh nashaave.

- Whoever chants your name is freed from the sufferings of many lifetimes.

Jo koi Gorakh naam sunaave, bhoot-pishaach nikat nahi aave.

- Whoever recites your name, Gorakhnath, is protected from ghosts and evil spirits.

Gyaan tumhara yog se paave, roop tumhara lakhya naa jaave.

- Your divine knowledge can be obtained through yoga, but your true form cannot be comprehended.

Nirakaar tum ho nirvaani, mahima tumhari ved bakhaani.

- You are formless and beyond worldly attachments; your glory is described in the Vedas.

Ghat ghat ke tum antaryaami, siddh chauraasi karein pranaami.

- You reside in every being as the inner self; the 84 Siddhas bow before you.

Bhasm ang gale naad viraaje, jata sees ati sundar saaje.

- Your body is adorned with ash, a snake around your neck, and beautiful matted hair.

Tum bin dev aur nahi dooja, dev muni jan karte pooja.

- There is no deity like you; all gods and sages worship you.

Chidanand santan hitkaari, mangal kare amangal haari.

- You are the embodiment of bliss and a benefactor of saints, removing misfortunes and spreading joy.

Poorn Brahm sakal ghat vaasi, Gorakhnath sakal prakaashi.

- You are the complete Brahman, residing in all beings, and your divine presence shines everywhere.

Gorakh Gorakh jo koi dhyaave, Brahm roop ke darshan paave.

- Whoever meditates on Gorakhnath receives the vision of the Supreme Brahman.

Shankar roop dhar damru baaje, kaanan kundal sundar saaje.

- You appear in the form of Lord Shiva, with a damru in hand and earrings in your ears.

Nityanand hai naam tumhara, asur maar bhaktan rakhwara.

- Your name is ‘Nityanand,’ the eternal blissful one. You destroy demons and protect your devotees.

Ati vishal hai roop tumhara, sur nar muni jan paav na paara.

- Your form is vast and beyond comprehension for gods, humans, and sages.

Deen bandhu deenan hitkaari, haro paap hum sharan tumhaari.

- You are the savior of the downtrodden and poor. Remove our sins; we seek refuge in you.

Doha:

Sune sunaave premvash, pooje apne haath.

- Those who listen to and recite your name with love and devotion are blessed.

Man iccha sab kaamna, poore Gorakhnath.

- Gorakhnath fulfills all desires and wishes of those who worship him with a pure heart.

Agam agochar Naath tum, Parbrahm avtaar.

- You are beyond comprehension, an incarnation of the Supreme Brahman.

Kaanan kundal sir jata, ang vibhuti apaar.

- You are adorned with earrings, matted hair, and sacred ash on your body.

Siddh purush yogeshwaron, do mujhko updesh.

- O master of yogis and Siddhas, bless me with divine knowledge and guidance.

Har samay seva karoon, subah shaam aadesh.

- I pray for your instructions so that I may serve you at all times, morning and evening.